No. of Printed Pages : 6 **MPSE–004**

MASTER OF ARTS (POLITICAL SCIENCE) (MPS)

Term-End Examination

June, 2026

MPSE-004 : SOCIAL AND POLITICAL THOUGHT IN MODERN INDIA

Time : 2 Hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Answer **five** questions in all, selecting at least **two** from each Section. Answer each question in about **400** words each. All questions carry equal marks.*

Section—I

1. Explain the main features and importance of social reform movements in India.

2. Compare and contrast the ideology of the moderates and extremists during the Indian Freedom Movement.
3. Examine Jyotiba Phule's contribution as a social revolutionary.
4. Write an essay on the importance of Lal-Bal-Pal.
5. Briefly explain Golwalkar's views on social organization.

Section—II

6. Examine E.V. Ramaswamy Naicker's critique of the congress and Mahatma Gandhi.
7. Describe M. K. Gandhi's views on relationship between religion and politics.

8. Analyze Jawaharlal Nehru's understanding of Parliamentary Democracy.

9. Discuss M. N. Roy's Humanist critique of Marxism.

10. Describe the contribution of E.M.S. Namboodiripad to the communist thought in India.

MPSE–004

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (राजनीति विज्ञान)

(एम. पी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम. पी. एस. ई.-004 : आधुनिक भारत में सामाजिक और राजनीतिक चिन्तन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रत्येक भाग में से कम-से-कम दो प्रश्न चुनते हुए, कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

भाग—I

1. भारत में सामाजिक सुधार आन्दोलनों की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

2. भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान नरमपंथियों और चरमपंथियों की विचारधारा की तुलना कीजिए और उनमें अन्तर कीजिए।

3. सामाजिक क्रान्तिकारी के रूप में ज्योतिबा फुले के योगदान का परीक्षण कीजिए।

4. लाल, बाल, पाल के महत्व पर एक टिप्पणी लिखिए।

5. सामाजिक संगठन पर गोलवलकर के विचारों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

भाग—II

6. कांग्रेस और महात्मा गांधी की ई. वी. रामास्वामी नायकर की आलोचना का परीक्षण कीजिए।

7. धर्म और राजनीति के बीच सम्बन्धों पर एम. के. गांधी के विचारों का वर्णन कीजिए।

8. संसदीय लोकतंत्र के बारे में जवाहरलाल नेहरू की समझ का विश्लेषण कीजिए।

9. मार्क्सवाद की एम. एन. रॉय की मानवतावादी आलोचना पर चर्चा कीजिए।

10. भारत में साम्यवादी चिन्तन में ई. एम. एस. नंबूदरीपाद के योगदान का वर्णन कीजिए।

× × × × ×